Date 26/7/21
Page

रहीम के दोहे

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए।

(क) प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यो नही हो पाता?

30- प्रेम आपसी लगाव, आकर्षण और विश्वास के कारण होता है। यदि एक बार यह लगाव और विश्वास ~~का कारण होता है। यदि एक बार यह लगाव और~~ टूट जाए तो उसमे पहले जैसा भाव नही रहता। एक दूसरा मन में आ ही जाती है। ठीक वैसे जैसे कि धागा टूटने पर जुड़ नही पाता। यदि उसे जोड़ा जाए तो गाठ पड़ जाती है।

(ख) ~~प्रेम का धागा~~ हमे अपना दुख दूसरो पर क्यों नही ~~प्रकट~~ प्रकट करना चाहिए? अपने मन की व्यथा दूसरो से कहने पर उनका व्यहवार कैसा हो जाता है?

30- हमें अपना दुःख दूसरो पर प्रकट नही करना चाहिए। कारण यह है कि लोग दुःख की बात सुनकर प्रसन्न ही होते है। वे उसे बाँटने को तैयार नही होते। उनका व्यवसार मित्रो जैसा नही, अपितु बेगानो जैसा जो जाता है।

Scanned by TapScanner

(ग) रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को हेय क्यों कहा है?

उ०- रहीम ने सागर को हेय इसलिए नहीं कहा क्योंकि उसका जल खारा होता है। वह किसी की प्यास नहीं बुझा पाता। उसकी तुलना में पंक का जल हेय है क्योंकि उसे पीकर कीट-पतंगे अपनी प्यास बुझा लेते हैं।

(घ) एक को साधने से सब कैसे सध जाता है?

उ०- एक परमात्मा को साधने से अन्य सारे काम ~~एक~~ अपने-आप सध जाते हैं। कारण यह है कि परमात्मा ही सबका मूल है। जैसे मूल अर्थात जड़ को सींचने से फल-फूल अपने-आप उग आते हैं, उसी प्रकार परमात्मा को साधने से अन्य सब कार्य कुशलतापूर्वक संपन्न हो जाते हैं।

Scanned by TapScanner

(ड़) जलहीन कमल की रक्षा सूर्य भी क्यो नही कर पाता ?

उ०- कमल की मूल संपति है जल। उसी के होने से कमल जीवित रहता है। यदि वह न रहे तो सूर्य भी कमल को जीवन नही दे सकता। सूर्य बाहरी शक्ति है। जल भीतरी शक्ति है। इसी भीतरी शक्ति से ही जीवन चलता है।

(च) अवध नरेश को चित्रकूट क्यो जाना पडा?

उ०- अवध नरेश अर्थात श्रीराम को चित्रकूट इसलिए जाना पड़ा क्योकि उन्हे माता-पिता की आज्ञा का पालन करने के लिए चौदह वर्षो तक वनवास भोगना था। उसी वनवास के दौरान उन्हे चित्रकूट जैसे रमणीय वन मे रुकने का अवसर मिला।

(छ) 'नट' किस कला मे सिद्ध होने के कारण ऊपर चढ़ जाता है?

उ०- नट स्वयं को समेटकर, सिकोड़कर तथा संतुलित करने के कारण कुंडली में से निकल जाता है और तार पर चढ़ जाता है।

Scanned by TapScanner